Drishti IAS

करेंट अफेयर्स
मध्य प्रदेश
(संग्रह)

मार्च
2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

मध्य प्रदेश **3**

- मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था वर्ष 2047 तक 2.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर 3
- मध्य प्रदेश में जनजातीय निगरानी 4
- पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता 5
- 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप 5
- मध्यप्रदेश में नक्सलियों का उन्मूलन किया जाएगा 6
- भीमबेटका 7
- नेशनल लोक अदालत 9
- माधव राष्ट्रीय उद्यान देश का 58वाँ टाइगर रिज़र्व 9
- ताप विद्युत गृहों को राष्ट्रीय पुरस्कार 10
- नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य 11
- वेयरवोल्फ सिंड्रोम 12
- सी.ए.जी. और वित्त आयोग 13
- मध्य प्रदेश बजट 2025-26 15
- कुनो राष्ट्रीय उद्यान 19
- इंदौर में भारत का पहला ग्रीन वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट 20
- मध्य प्रदेश के धरोहर स्थल यूनेस्को की संभावित सूची में 21
- भोपाल में ग्रीन भारत एक्सपो 23
- अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाज़ी चैंपियनशिप 24
- राष्ट्रीय डेफ शूटिंग चैंपियनशिप 26

The Vision

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था वर्ष 2047 तक 2.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) की एक रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था वर्ष 2047-48 तक 2.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने की क्षमता रखती है, जो वर्तमान में 164.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आसपास है।

मुख्य बिंदु

- **रिपोर्ट के बारे में:**
  - "**मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था की परिकल्पना@2047**" शीर्षक वाली रिपोर्ट में आर्थिक विकास के लिये एक दृष्टिकोण की रूपरेखा दी गई है, जिसमें प्रमुख क्षेत्रों, नीतिगत हस्तक्षेपों और निवेश के अवसरों की पहचान की गई है, जो राज्य के परिवर्तन को गति देंगे।
  - CII के महानिदेशक ने कहा कि निवेश को बढ़ावा देने और विकास को गति देने के लिये समर्पित एक सक्रिय राज्य सरकार के साथ, **मध्य प्रदेश 2047-48 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में अपना योगदान मौजूदा 4.6% से बढ़ाकर 6.0% करने की स्थिति में है।**
  - इसके अलावा, रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि मध्य प्रदेश को अपने महत्त्वाकांक्षी **विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये, विनिर्माण और औद्योगिक विस्तार को केंद्र में रखना होगा।**
- **रिपोर्ट का आधार:** यह रिपोर्ट व्यापक डेटा विश्लेषण और हितधारक परामर्श पर आधारित है, जिसमें उद्योग जगत के नेताओं, नीति निर्माताओं और अकादमिक विशेषज्ञों के इनपुट शामिल हैं।
  - यह मध्य प्रदेश की पूरी आर्थिक क्षमता को अनलॉक करने, सतत विकास, **रोज़गार सृजन और बढ़ी हुई प्रतिस्पर्द्धा सुनिश्चित करने के लिये** एक रूपरेखा के रूप में कार्य करती है।
- **रिपोर्ट में चार प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की है:**
  - **परिवहन बुनियादी ढाँचे** का विस्तार, जैसे मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और एयर कार्गो हब का विकास।
  - **कुशल कार्यबल** की उपलब्धता बढ़ाने के लिये कौशल विकास और कौशल पार्क की स्थापना।
  - **व्यवसाय करने में आसानी** के लिये **सिंगल विंडो सिस्टम (SWS)** की दक्षता को बढ़ाना।
  - **MSME का विस्तार** करने के लिये योजनाएँ, जैसे रियायती ऋण व्यवस्था, बाज़ार पहुँच में सुधार और तकनीकी उन्नयन।
- **कृषि और विनिर्माण का योगदान:** कृषि क्षेत्र वर्तमान में मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था में **43% योगदान** देता है, जबकि दीर्घकालिक विकास को बनाए रखने के लिये **विनिर्माण का हिस्सा 2047 तक 7.2% से बढ़कर 22.2% होना चाहिये।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

भारतीय उद्योग परिसंघ

- CII एक गैर-सरकारी, गैर-लाभकारी, उद्योग-नेतृत्व वाला और उद्योग-प्रबंधित संगठन है।
- यह सलाहकारी और परामर्शी प्रक्रियाओं के माध्यम से उद्योग, सरकार और नागरिक समाज के साथ साझेदारी करके भारत के विकास के लिये अनुकूल वातावरण बनाने और बनाए रखने के लिये काम करता है।
- **इसकी स्थापना** 1895 में हुई तथा इसका मुख्यालय **नई दिल्ली में है।**

मध्य प्रदेश में जनजातीय निगरानी

चर्चा में क्यों ?

देश भर के **वन अधिकार कार्यकर्त्ताओं और समर्थकों** ने जनजातीय समुदायों और वनवासियों के खिलाफ **भेदभावपूर्ण कार्यकारी आदेश जारी करने के लिये मध्य प्रदेश सरकार की आलोचना** की, जिसमें विभिन्न वन क्षेत्रों में **'कुख्यात शिकारी समुदायों'** की तलाशी और निगरानी की अनुमति दी गई।

मुख्य बिंदु:

- **आदेश में कानूनी आधार का अभाव:**
  - एक वन अधिकार कार्यकर्त्ता ने इस **आदेश को क्रूर** बताया तथा कहा कि इसका कोई कानूनी आधार नहीं है।
  - उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि ब्रिटिश औपनिवेशिक प्रशासन ने एक बार कुछ जनजातियों को आपराधिक जनजाति अधिनियम, 1871 के तहत अपराधी के रूप में वर्गीकृत किया था, जिसे स्वतंत्रता के बाद निरस्त कर दिया गया तथा उन्हें विमुक्त कर दिया गया।
- **सरकारी आदेश:**
  - 29 जनवरी 2025 को **प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव), मध्य प्रदेश ने एक आदेश जारी किया:**
    - मध्य प्रदेश में **अनुसूचित जनजाति** पारधी समुदाय सहित खानाबदोश जनजातियों की व्यापक खोज और निगरानी।
    - नर्मदापुरम, सिउनी, छिंदवाड़ा, बैतूल, भोपाल, जबलपुर और बालाघाट के वन मंडलों में लक्षित खोज़ अभियान।
    - खानाबदोश जनजातियों के घरों की तलाशी के लिये श्वान दस्तों का उपयोग।
    - निकटतम पुलिस स्टेशन में विमुक्त जनजातियों की उपस्थिति का अनिवार्य दस्तावेजीकरण।
    - बाघ गलियारों में घरेलू प्लास्टिक की वस्तुएँ, चादरें, जड़ी-बूटियाँ और पौधे बेचने वाले आदिवासी व्यापारियों की निगरानी।
- **औपनिवेशिक मानसिकता और कानूनी उल्लंघन:**
  - यह बताया गया कि **वन विभाग खानाबदोश जनजातियों को आदतन अपराधी मान रहा है,** जो सर्वोच्च न्यायालय के अनेक निर्णयों के विपरीत है।
  - विशेषज्ञों का तर्क है कि यह आदेश वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत अधिकारों का उल्लंघन करता है, जो सुनिश्चित करता है:
    - वन भूमि पर निवास करने और कृषि करने का अधिकार
    - वन उपज तक पहुँच
    - आवासों पर सामुदायिक स्वामित्व अधिकार

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- खानाबदोश और पशुपालक समुदायों के लिये मौसमी संसाधन तक पहुँच
- SC/ST अधिनियम के तहत सुरक्षा और संभावित कानूनी परिणाम
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत भी जनजातीय अधिकारों को संरक्षण प्राप्त है।

पारधी जनजाति

- यह ज्यादातर **महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश** के कुछ हिस्सों में पाई जाती है।
- पारधी शब्द **मराठी शब्द 'पारध'** से लिया गया है **जिसका अर्थ है शिकार करना** और **संस्कृत शब्द 'पापर्धी' जिसका अर्थ है शिकार किया जाने वाला खेल।**
- वे **राजस्थानी और गुजराती की मिश्रित** बोलियाँ बोलते हैं, मुख्यत: **वागड़ी और पारधी भाषाएँ।**
  - ये भाषाएँ **पश्चिमी इंडो-आर्यन भाषा समूह** की भील भाषाओं में वर्गीकृत हैं।

पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में भोपाल में **24वीं अखिल भारतीय पुलिस वॉटर स्पोर्टस प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **प्रतियोगिता के बारे में:**
  - **भागीदार:** प्रतियोगिता में 22 राज्यों, **केंद्रशासित प्रदेशों और** केंद्रीय सशस्त्र बलों के 557 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें 132 महिला खिलाड़ी भी शामिल थीं।
  - **प्रतिस्पर्द्धाएँ:** प्रतियोगिता में केनोइंग, **क्याकिंग तथा रोइंग** सहित कुल 27 स्पर्द्धाएँ हुईं। इसमें कुल 360 पदकों के लिये विभिन्न राज्यों और अर्द्धसैनिक बलों की टीमों नए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।
  - **मेज़बानी:** इस प्रतियोगिता की मेज़बानी मध्य प्रदेश पुलिस ने की थी।
- **उद्देश्य:**
  - इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य पुलिस, अर्धसैनिक बलों और अन्य सुरक्षा सेवाओं के कर्मियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करना था।
  - इस आयोजन का उद्देश्य विभिन्न राज्यों और सुरक्षा बलों के बीच आपसी सहयोग और सौहार्द को बढ़ावा देना और एथलीटों को अपने कौशल को बढ़ाने के लिये प्रेरित करना भी था।

42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों ?

3 से 7 मार्च तक **भोपाल में 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप** का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश भर से 500 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **चैंपियनशिप के बारे में:**
  - **आयोजन:**
    - यह प्रतियोगिता भोपाल के **बड़े तालाब स्थित राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी, बोट क्लब** में आयोजित हो रही है।
  - **महत्त्व और उद्देश्य**
    - इस प्रतियोगिता का आयोजन **वॉटर स्पोर्ट्स को प्रोत्साहित करने और युवाओं को एक नया मंच देने के उद्देश्य से** किया जा रहा है।
    - मुख्यमंत्री ने स्वयं इस प्रतियोगिता का उद्घाटन किया है।
  - **प्रतियोगिता का स्वरूप**
    - इस प्रतियोगिता में **14 इवेंट्स** का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे 2 इवेंट्स पैरा सिंगल स्कल महिला एवं पुरुष वर्ग भी शामिल है।
    - प्रतियोगिता का समापन 7 मार्च 2025 को होगा, जिसमें सभी फाइनल्स आयोजित किये जाएंगे।
    - इसमें **कुल 27 टीमों के 500 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहें हैं**, जो प्रतियोगिता के व्यापक स्तर को दर्शाता है।

रोइंग खेल

- **परिचय:**
  - रोइंग एक ऐसा खेल है जिसमें एथलीट एक विशेष प्रकार की नाव को **पतवारों (ओअर्स)** की मदद से आगे बढ़ाते हैं। यह अन्य वॉटर स्पोर्ट्स से अलग होता है क्योंकि इसमें **रोवर (नाविक)** की पीठ नाव की चाल की दिशा में होती है।
- **इतिहास:**
  - रोइंग की शुरुआत प्राचीन **मिस्र, ग्रीस और रोम में** एक परिवहन साधन के रूप में हुई थी।
  - एक खेल के रूप में इसकी शुरुआत 17वीं और 18वीं शताब्दी में हुई, जब यूनाइटेड किंगडम में ऑक्सफोर्ड-कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी बोट रेस का आयोजन हुआ, जिसका उद्घाघटन 1828 में हुआ था।
- **प्रतिस्पर्द्धा दूरी:**
  - रोअर एथलीट व्यक्तिगत रूप से या फिर 2,4 या 8 की टीमों में 2,000 मीटर की प्रतिस्पर्द्धा करते हैं।
- **रोइंग के प्रकार:**
  - **डबल स्कल्स:** प्रत्येक एथलीट दोनों हाथों में एक-एक पतवार रखता है।
  - **स्वीप रोइंग:** एथलीट दोनों हाथों से एक ही पतवार संभालता है।

मध्यप्रदेश में नक्सलियों का उन्मूलन किया जाएगा

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने वर्ष 2026 तक नक्सल मुक्त भारत के संकल्प को पूरा करने हेतु **उच्च स्तरीय बैठक** आयोजित की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **सरकार की प्रतिबद्धता:**
  - मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि मध्यप्रदेश में नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने के लिये राज्य सरकार गंभीर और सक्रिय है।
- **दिशा-निर्देश:**
  - नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों की आर्थिक और सामाजिक प्रगति के लिये राज्य सरकार के प्रयासों का समन्वय किया जाए।
  - संचार सुविधाओं को बढ़ाने हेतु मोबाइल टावरों की स्थापना को प्राथमिकता दी जाए।
  - नए सुरक्षा कैंपों की स्थापना के लिये **हॉक फोर्स बल** में वृद्धि की स्वीकृति दी जाए।
  - प्रदेश से **माओवादी समस्या** के उन्मूलन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और इसके लिये समवेत प्रयास किये जाएँ।
  - नक्सल प्रभावित ज़िलों के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में आवागमन को सुगम बनाने हेतु निर्माणाधीन सड़क निर्माण कार्य शीघ्र पूरा किया जाए।
  - इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने नक्सल गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने और पुलिस मुख्यालय तथा ज़िला प्रशासन के स्तर पर लगातार समीक्षा करने के निर्देश दिये हैं।
- **राज्यों के बीच समन्वय:**
  - बैठक में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के संयुक्त प्रयासों पर चर्चा हुई, जो नक्सलवाद से निपटने हेतु बढ़ते अंतर्राज्यीय सहयोग को दर्शाता है।

नक्सलवाद

- **परिचय:**
  - नक्सलवाद शब्द की उत्पत्ति **पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गाँव से हुई है।**
  - इसकी **शुरुआत स्थानीय ज़मींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई,** जिन्होंने भूमि विवाद को लेकर एक किसान की पिटाई की थी।
  - यह **आंदोलन जल्द ही पूर्वी भारत** के छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे अल्प विकसित क्षेत्रों में फैल गया।
  - **वामपंथी उग्रवादियों** (LWE) को दुनिया भर में माओवादी और भारत में नक्सलवादी के नाम से जाना जाता है।
- **उद्देश्य:**
  - **वे सशस्त्र क्रांति** के माध्यम से भारत सरकार को उखाड़ फेंकने और **माओवादी सिद्धांतों** पर आधारित **साम्यवादी राज्य** की स्थापना की वकालत करते हैं।
  - वे राज्य को **दमनकारी, शोषक** और शासक अभिजात वर्ग के हितों की सेवा करने वाला मानते हैं तथा सशस्त्र संघर्ष और जनयुद्ध के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक शिकायतों को दूर करना चाहते हैं।

भीमबेटका

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में 16वें **वित्त आयोग** के अध्यक्ष **डॉ. अरविंद पनगढ़िया** और उनके सदस्यों ने **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भीमबेटका** का दौरा किया।

- इस दौरान उन्होंने राज्य की **ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत** को करीब से देखा और इसकी भव्यता की सराहना की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **दौरा के बार में:**
  - वित्त आयोग के सदस्यों ने **भीमबेटका** को भारत की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत का अमूल्य प्रतीक बताया।
  - उन्होंने भीमबेटका के शैलचित्रों की विषयवस्तु (सामूहिक नृत्य, शिकार, युद्ध, आदि) तथा इनमें प्रयुक्त खनिज रंगों (गेरुआ, लाल, सफेद) की कलात्मक और ऐतिहासिक विशेषता का अवलोकन किया।
  - साथ ही उन्हें प्रस्तावित **'रॉक आर्ट इको पार्क म्यूजियम'** के बारे में जानकारी दी गई।
- **भीमबेटका**
  - **अवस्थित:** यह मध्य प्रदेश के **विंध्य पर्वतमाला में भोपाल के दक्षिण में स्थित है,** जहाँ 500 से अधिक शैलचित्रों वाले शैलाश्रय हैं।
    - भीमबेटका की गुफाओं की खोज वर्ष **1957-58 में वी. एस. वाकणकर** ने की थी।
    - इसे वर्ष 2003 में **यूनेस्को** विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।
  - **समयावधि:** अनुमान है कि **सबसे पुरानी चित्रकारी 30,000 वर्ष पुरानी हैं** तथा गुफाओं के अंदर स्थित होने के कारण आज भी सुरक्षित हैं।
    - भीमबेटका की चित्रकारी उच्च पुरापाषाण, मध्यपाषाण, ताम्रपाषाण, **प्रारंभिक ऐतिहासिक और मध्यकालीन काल** की है।
    - हालाँकि अधिकांश चित्र मध्यपाषाण युग के हैं।
  - **चित्रकारी तकनीक:** इसमें प्राकृतिक संसाधनों से प्राप्त विभिन्न रंगों जैसे लाल गेरू, बैंगनी, भूरा, सफेद, पीला और हरा आदि का उपयोग किया जाता है।
  - **चित्रों की विषय-वस्तु:** प्रागैतिहासिक पुरुषों के रोज़मर्रा के जीवन को अक्सर छड़ी जैसी मानव आकृतियों में दर्शाया गया है।
    - हाथी, बाइसन, हिरण, मोर और साँप जैसे विभिन्न जानवरों को दर्शाया गया है।
    - शस्त्रधारी पुरुषों के साथ शिकार के दृश्य और युद्ध के दृश्य।
    - सरल ज्यामितीय डिज़ाइन और प्रतीक।

वित्त आयोग

- **परिचय**
  - वित्त आयोग एक **संवैधानिक निकाय** है, जिसे संविधान के **अनुच्छेद 280** के तहत गठित किया जाता है।
  - इसका मुख्य उद्देश्य **संघ और राज्यों के बीच राजस्व संसाधनों के न्यायसंगत आवंटन** को सुनिश्चित करना है।
  - यह एक **अर्ध-न्यायिक निकाय** है, जो वित्तीय मामलों में निष्पक्ष एवं संतुलित संस्तुतियाँ प्रदान करता है।
- **गठन एवं कार्यकाल**
  - वित्त आयोग का गठन राष्ट्रपति द्वारा **प्रत्येक पाँच वर्ष में या आवश्यकतानुसार मध्यावधि में** किया जाता है।
  - आयोग **राजकोषीय संतुलन** को बनाए रखने और **सहकारी संघवाद** को सुदृढ़ करने का कार्य करता है।
  - इसकी संस्तुतियाँ **सरकार के सभी स्तरों** पर वित्तीय समन्वय स्थापित करने में सहायक होती हैं।
- **ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य**
  - प्रथम वित्त आयोग **वर्ष 1951 में** गठित किया गया था।
  - अब तक **15 वित्त आयोग गठित हो चुके हैं** और वर्तमान **में 16वाँ वित्त आयोग कार्यरत** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

नेशनल लोक अदालत

चर्चा में क्यों ?

8 मार्च 2025 को **राज्य** विधिक सेवा प्राधिकरण **जबलपुर** के आदेश पर **नेशनल** लोक अदालत का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में**
  - **इस नेशनल लोक अदालत** में विद्युत अधिनियम 2003, **धारा 135** के तहत लंबित बिजली चोरी एवं अनियमितता के मामलों को **आपसी समझौते** के माध्यम से निपटाने का अवसर प्रदान किया गया।
  - **ऊर्जा मंत्री** ने उपभोक्ताओं से **कानूनी कार्यवाही से बचने** और छूट का लाभ उठाने के लिये संबंधित **बिजली कार्यालय से संपर्क करने** की अपील की।
- **छूट का दायरा एवं पात्रता**
  - **निम्न दाब श्रेणी** के **घरेलू, कृषि, 5 किलोवाट तक के गैर-घरेलू एवं 10 हॉर्स पावर तक के औद्योगिक उपभोक्ता** इस योजना के अंतर्गत आएंगे।
  - केवल **पहली बार बिजली चोरी/अनधिकृत उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं** को ही छूट मिलेगी।
  - पूर्व में **लोक अदालत/न्यायालय से छूट प्राप्त उपभोक्ताओं** को दोबारा छूट नहीं मिलेगी।
  - **सामान्य बिजली बिलों की बकाया राशि** पर कोई छूट नहीं दी जाएगी।

लोक अदालत

- **परिचय:**
  - 'लोक अदालत' शब्द का अर्थ 'पीपुल्स कोर्ट' है और यह गांधीवादी सिद्धांतों पर आधारित है।
  - सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार, यह प्राचीन भारत में प्रचलित न्यायनिर्णयन प्रणाली का एक पुराना रूप है और वर्तमान में भी इसकी वैधता बरकरार है।
  - यह वैकल्पिक विवाद समाधान (ADR) प्रणाली के घटकों में से एक है जो आम लोगों को अनौपचारिक, सस्ता और शीघ्र न्याय प्रदान करता है।
  - पहला **लोक अदालत शिविर वर्ष** 1982 **में गुजरात में एक स्वैच्छिक और सुलह एजेंसी** के रूप में बिना किसी वैधानिक समर्थन के निर्णयों हेतु आयोजित किया गया था।
  - समय के साथ इसकी बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए इसे **कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम,** 1987 के तहत वैधानिक दर्ज़ा दिया गया था। यह अधिनियम लोक अदालतों के संगठन और कामकाज़ से संबंधित प्रावधान करता है।

माधव राष्ट्रीय उद्यान देश का 58वाँ टाइगर रिज़र्व

चर्चा में क्यों ?

9 मार्च, 2025 को **केंद्रीय पर्यावरण मंत्री** ने मध्य प्रदेश के **माधव राष्ट्रीय उद्यान को देश का 58वाँ बाघ अभयारण्य** घोषित किया। यह नया राष्ट्रीय उद्यान मान्यता पाने वाला राज्य का 9वाँ राष्ट्रीय उद्यान भी है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **माधव राष्ट्रीय उद्यान**
  - **शिवपुरी ज़िले** में स्थित यह राष्ट्रीय उद्यान **ऊपरी विंध्य पहाड़ियों** का हिस्सा है और ऐतिहासिक रूप से मुगल सम्राटों व **ग्वालियर के महाराजाओं** का शिकार क्षेत्र रहा है।
  - इसे वर्ष **1959 में राष्ट्रीय उद्यान** घोषित किया गया था।
  - इस उद्यान में **झीलें, शुष्क पर्णपाती व काँटेदार वन** सहित समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र है, जहाँ बाघ, तेंदुआ, नीलगाय, चिंकारा, चौसिंगा और विभिन्न प्रकार के हिरण पाए जाते हैं।
  - यह भारत के **32 प्रमुख बाघ कॉरिडोर** में शामिल है, इसे **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972** के तहत **बाघ संरक्षण योजना** के माध्यम से संचालित किया जाता है।
- **महत्त्व:**
  - यह निर्णय "**प्रोजेक्ट टाइगर**" के तहत बाघ संरक्षण प्रयासों को और अधिक मज़बूती देगा और भारत को **जैवविविधता** संरक्षण के प्रयासों में एक अग्रणी भूमिका निभाने में सहायता करेगा।
  - इससे बाघों की संख्या में वृद्धि सुनिश्चित करने और उनके प्राकृतिक आवास को सुरक्षित करने में सहायता मिलेगी।
- विगत वर्ष दिसंबर में, **केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय** से सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त होने के बाद मध्य प्रदेश के **रतापानी वन्यजीव अभयारण्य** को देश का **57वाँ बाघ अभयारण्य** घोषित किया गया था।

प्रोजेक्ट टाइगर

- **परिचय:**
  - **प्रोजेक्ट टाइगर** भारत में एक **वन्यजीव संरक्षण पहल** है जिसे वर्ष 1973 में शुरू किया गया था।
  - प्रोजेक्ट टाइगर का **प्राथमिक उद्देश्य** समर्पित **टाइगर रिज़र्व** बनाकर बाघों की आबादी के प्राकृतिक आवासों में अस्तित्त्व और रखरखाव सुनिश्चित करना है।
- **बाघों की संख्या में वृद्धि:**
  - **वर्ष 1972 में पहली बाघ जनगणना** में 1,827 बाघों की गिनती के लिये अविश्वसनीय पग-चिह्न पद्धति का उपयोग किया गया था।
  - **2022 तक**, बाघों की आबादी 3,167-3,925 होने का अनुमान है, जो **प्रतिवर्ष 6.1% की वृद्धि दर को** दर्शाता है।
  - अब भारत विश्व के **तीन-चौथाई बाघों का घर** है।

ताप विद्युत गृहों को राष्ट्रीय पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

मध्यप्रदेश के **तीन ताप विद्युत गृहों** को फ्लाई ऐश के कुशल व प्रभावी प्रबंधन के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

मुख्य बिंदु

- **पुरस्कार के बारे में:**
  - यह पुरस्कार मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी (MPPGCL) के श्री **सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया, सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी** व **अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई** को प्रदान किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह सम्मान फ्लाई ऐश उपयोगिता-2025 विषय पर गोवा में आयोजित **14वें अंतर्राष्ट्रीय आवासीय सम्मेलन** के दौरान दिया गया।
  - यह सम्मेलन **मिशन एनर्जी फाउंडेशन** द्वारा आयोजित किया गया था, जो एक **गैर-लाभकारी संगठन** है।
- **पुरस्कार श्रेणी**
  - सतपुड़ा ताप विद्युत गृह और अमरकंटक ताप विद्युत गृह को यह पुरस्कार 500 **मेगावाट स्थापित क्षमता से कम श्रेणी** में प्रदान किया गया।
  - जबकि श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह को यह पुरस्कार **500 मेगावाट स्थापित क्षमता से अधिक श्रेणी** में प्रदान किया गया।
    - श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह ने 100 प्रतिशत से अधिक फ्लाई ऐश का सतत् व प्रभावी उपयोग किया है।

फ्लाई ऐश

- **परिचय**
  - फ्लाई ऐश (Fly Ash) प्राय: **कोयला संचालित विद्युत संयंत्रों** से उत्पन्न प्रदूषक है, जिसे दहन कक्ष से निष्कासित गैसों द्वारा ले जाया जाता है।
  - इसे इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर या बैग फिल्टर द्वारा निष्कासित गैसों से एकत्र किया जाता है।
    - इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर (ESP) को एक फिल्टर उपकरण के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिसका उपयोग प्रवाहित होने वाली गैस से धुएँ और धूल जैसे महीन कणों को हटाने के लिये किया जाता है।
    - इस उपकरण को प्राय: वायु प्रदूषण नियंत्रण संबंधी गतिविधियों के लिये प्रयोग किया जाता है।
- **संयोजन**
  - फ्लाई ऐश में पर्याप्त मात्रा में **सिलिकॉन डाइऑक्साइड (SiO_2), एल्युमीनियम ऑक्साइड (Al_2O_3), फेरिक ऑक्साइड (Fe_2O_3) और कैल्शियम ऑक्साइड (CaO)** शामिल होते हैं।
- **अनुप्रयोग:**
  - इसका उपयोग कंक्रीट और सीमेंट उत्पादों, रोड बेस, मेटल रिकवरी और मिनरल फिलर आदि में किया जाता है।
- **हानिकारक प्रभाव:**
  - फ्लाई ऐश के **कण विषैले वायु प्रदूषक हैं**। ये **हृदय रोग, कैंसर, श्वसन रोग और स्ट्रोक** को बढ़ावा दे सकते हैं।

नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश में भारतीय भेड़ियों को रेडियो कॉलर पहनाया जाएगा, जिससे उनके आवास, खानपान और व्यवहार पर शोध करने में सहायता मिलेगी।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - NTCA से अनुमति मिलते ही **नौरादेही** वन्यजीव अभयारण्य में अलग-अलग झुंडों के तीन भेड़ियों को रेडियो कॉलर लगाया जाएगा।
  - इसके लिये फरवरी 2024 में जबलपुर स्थित **राज्य वन अनुसंधान संस्थान** द्वारा दो वर्षीय अध्ययन शुरू किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **उद्देश्य**
  - इस शोध का उद्देश्य भेड़ियों के जीवन, उनके भोजन, आवास, दिनचर्या और बाघ तथा तेंदुए जैसे जानवरों के साथ उनके सह-अस्तित्व के बारे में जानना है।

- **मध्य प्रदेश में भेड़ियों की स्थिति:**
  - वर्ष 2022 में देशभर में भेड़ियों की गणना की गई, जिसमें सबसे ज़्यादा भेड़ियों की संख्या के साथ मध्य प्रदेश ने पहला स्थान प्राप्त किया।
  - गणना के अनुसार, भारत में कुल 3170 भेड़िये थे, जिनमें से 20% यानी 772 भेड़िये अकेले मध्य प्रदेश में पाए गए।
- **नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य**
  - नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य मध्य प्रदेश का **सबसे बड़ा** वन्यजीव अभयारण्य है।
  - यह अभयारण्य मध्य प्रदेश के तीन ज़िलों सागर, दमोह और नरसिंहपुर में लगभग 1197 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है।
  - यह संरक्षित क्षेत्र भारत की **दो प्रमुख नदी घाटियों, नर्मदा और गंगा के तट पर स्थित है।**
  - यह भारतीय भेड़िये (कैनिस ल्यूपस पैलिप्स) का प्राकृतिक आवास है, जो ग्रे वुल्फ की एक उप-प्रजाति है।
    - वर्ष 1975 में इसे भेड़ियों के संरक्षण के लिये प्रदेश का सबसे बड़ा अभयारण्य का दर्जा दिया गया था।
  - नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य को चीतों **के लिये भी उपयुक्त क्षेत्र माना गया है**, इसलिये इसे एक साल पहले टाइगर रिज़र्व का दर्जा दिया गया था।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण

- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) पर्यावरण, **वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय** के तहत एक वैधानिक निकाय (Statutory Body) है।
- इसकी **स्थापना वर्ष 2006 में** वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों में संशोधन करके की गई। प्राधिकरण की पहली बैठक नवंबर 2006 में हुई थी।
- यह राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) के प्रयासों का ही परिणाम है कि देश में विलुप्त होते बाघों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

वेयरवोल्फ सिंड्रोम

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश के "**वेयरवोल्फ सिंड्रोम**" से पीड़ित एक किशोर ने सबसे अधिक बालों वाले चेहरे का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

मुख्य बिंदु

- **वेयरवोल्फ सिंड्रोम**
  - वेयरवोल्फ सिंड्रोम, जिसे **हाइपरट्रिकोसिस (Hypertrichosis)** भी कहा जाता है, एक अत्यंत दुर्लभ आनुवंशिक स्थिति है, जिसके अभी तक दुनिया भर में केवल 50 मामले दर्ज किये गए हैं। यह स्थिति शरीर के कुछ हिस्सों, विशेष रूप से चेहरे पर अत्यधिक बालों की वृद्धि का कारण बनती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **प्रकार:** हाइपरट्रिकोसिस को दो मुख्य श्रेणियों में विभाजित किया जाता है:
  - **जन्मजात हाइपरट्रिकोसिस (Congenital Hypertrichosis)**
    - यह जन्म से मौजूद होता है और आमतौर पर **आनुवंशिक** कारणों से होता है।
    - वैज्ञानिकों का मानना है कि यह निष्क्रिय पड़े प्राचीन जीनों के पुन: सक्रिय होने के कारण होता है, जो प्रारंभिक मानव पूर्वजों में अत्यधिक शरीर के बालों के लिये ज़िम्मेदार थे।
    - इस स्थिति में व्यक्ति के पूरे शरीर या कुछ विशिष्ट हिस्सों पर अत्यधिक बाल हो सकते हैं।
  - **अधिगृहीत हाइपरट्रिकोसिस (Acquired Hypertrichosis)**
    - यह जन्म के बाद विकसित होता है और बाहरी या आंतरिक कारणों से जुड़ा होता है।
    - **इसके संभावित कारणों में शामिल हैं:**
    - कुछ दवाएँ, जैसे **बाल विकास उत्तेजक, एंड्रोजेनिक स्टेरॉयड और प्रतिरक्षा दमनकारी दवाएँ,** हाइपरट्रिकोसिस को बढ़ा सकती हैं।
      - कुछ कैंसर के प्रकार और आनुवंशिक बदलाव इस स्थिति से जुड़े हो सकते हैं।
      - कुछ त्वचा संक्रमण और स्वप्रतिरक्षी रोगों को भी इस स्थिति का कारण माना जाता है।
      - **पोषण संबंधी कमियाँ**
      - **भोजन संबंधी विकार**

सी.ए.जी. और वित्त आयोग

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के भोपाल में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) और सोलहवें वित्त आयोग की सार्वजनिक वित्त पर परामर्श हेतु बैठक आयोजित हुई।

मुख्य बिंदु

- विचार-विमर्श मुख्य रूप से तीन प्रमुख क्षेत्रों: संघ और राज्य वित्त, स्थानीय निकाय तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम पर केंद्रित था।
- इसमें केंद्र और राज्यों के राजकोषीय प्रबंधन, लेखापरीक्षा, कर नीति तथा सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिये एक व्यापक रूपरेखा प्रदान की गई।
- **अनुशंसाएँ:**
  - **राज्यों के कर राजस्व (SOTR) में गिरावट:** कर संग्रह तंत्र को मज़बूत करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया।
  - **राजकोषीय सूचना की मानकीकरण:** लेखांकन प्रक्रियाओं को समान करने का प्रस्ताव रखा गया ताकि पारदर्शी और तुलनात्मक वित्तीय डाटा उपलब्ध हो सके।
  - CAG ने **स्टांप ड्यूटी, पंजीकरण शुल्क और राज्य उत्पाद शुल्क** जैसे क्षेत्रों में अधिक सुधार की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।
    - साथ ही आधुनिक तकनीकों जैसे क्यूआर कोड और सेंसर-आधारित सिस्टम अपनाने की सिफारिश की।
  - अधिशेष राजस्व वाले राज्यों द्वारा बजट **स्थिरीकरण कोष** (Budget Stabilization Fund) बनाने की सिफारिश की गई, जिससे वित्तीय अस्थिरता से बचा जा सके।
  - वस्तु एवं सेवा कर (GST) सुधार हेतु करदाता सत्यापन प्रक्रिया को मज़बूत करने, अपंजीकृत इकाइयों के एकीकरण तथा स्वचालित डाटा संग्रह और वास्तविक समय सूचना प्रणाली के उपयोग की सिफारिश की गई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG)

- **परिचय:**
  - **संविधान के अनुच्छेद 148 के** अनुसार, भारत का CAG **भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग (IA-AD)** का प्रमुख होता है। वह सार्वजनिक निधि की सुरक्षा और केंद्र एवं राज्य दोनों स्तरों पर वित्तीय प्रणाली की देखरेख के लिये ज़िम्मेदार होता है।
  - भारत का CAG **नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 द्वारा शासित होता है,** जिसमें **वर्ष 1976, 1984 और 1987** में महत्त्वपूर्ण संशोधन किये गए।
- **नियुक्ति और कार्यकाल:**
  - भारत के CAG की नियुक्ति **भारत के राष्ट्रपति द्वारा अपने हस्ताक्षर और मुहर सहित** एक अधिकार-पत्र (Warrant) द्वारा की जाती है।
  - CAG **छह वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक,** जो भी पहले हो, पद पर कार्य करता है।
  - **राष्ट्रपति द्वारा CAG** को पद से केवल उसी **रीति से और उन्ही आधारों** पर हटाया जाएगा जिस **रीति से और जिन आधारों** पर **सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को** हटाया जाता है।
  - CAG किसी भी समय राष्ट्रपति को अपना त्याग-पत्र देकर अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं।
  - पद छोड़ने के बाद CAG भारत सरकार या किसी राज्य सरकार के अधीन किसी भी **अन्य पद के लिये पात्र नही हैं।**
- **वेतन एवं भत्ते:**
  - CAG का वेतन संसद निर्धारित करती है, जो सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के वेतन के बराबर होते है।
  - CAG के प्रशासनिक व्यय, जिनमें वेतन, भत्ते और पेंशन शामिल हैं, **भारत की संचित निधि पर भारित होते हैं,** जो संसदीय मतदान के अधीन नहीं होते हैं।
- **कर्त्तव्य एवं शक्तियाँ:** CAG भारत की संचित निधि और राज्य निधि से व्यय से संबंधित **खातों का लेखा-परीक्षण करता है।**
  - **यह सरकारी निगमों**, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सरकार द्वारा वित्तपोषित निकायों के खातों का भी लेखा-परीक्षण करता है।
  - CAG **ऑडिट रिपोर्ट राष्ट्रपति** को सौंपता है, जो उन्हें संसद के समक्ष रखता है। इन रिपोर्टों की जाँच **लोक लेखा समिति द्वारा की जाती है।**

वित्त आयोग

- **संवैधानिक आधार:** यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत स्थापित एक संवैधानिक निकाय है।
  - इसकी नियुक्ति **राष्ट्रपति द्वारा** प्रत्येक **पाँच वर्ष में** या राष्ट्रपति द्वारा आवश्यक समझे जाने पर पहले भी की जाती है।
- **संरचना:** आयोग में एक **अध्यक्ष** और राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त **चार अन्य सदस्य** होते हैं।
  - अध्यक्ष ऐसा व्यक्ति होना चाहिये जिसे सार्वजनिक **मामलों का अनुभव** हो।
- **कार्य और कर्तव्य:** वित्त आयोग का प्राथमिक कार्य विभिन्न वित्तीय मामलों पर **राष्ट्रपति को सिफारिशें करना है।**
- **कर वितरण: यह** करों की शुद्ध आय के **संघ और राज्यों** के बीच वितरण की सिफारिश करता है इसमें कर आय से राज्यों के बीच शेयरों का आवंटन शामिल है।
- **सहायता अनुदान:** यह विधेयक **भारत की संचित नि**धि से राज्यों को सहायता अनुदान देने के सिद्धांतों का सुझाव देता है।
  - इसमें भारत की संचित निधि से राज्यों को सहायता अनुदान को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों की स्थापना करना शामिल है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

मध्य प्रदेश बजट 2025-26

चर्चा में क्यों ?

12 मार्च, 2025 को मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये **4,21,032 करोड़ रुपए का बजट** पेश किया।

मुख्य बिंदु

- बजट के बारे में:
  - यह बजट वित्तीय वर्ष 2024-25 के 3,65,067 करोड़ रुपए के अनुमान से 15% अधिक है।
  - सरकार का उद्देश्य **वर्ष 2047** तक मध्य प्रदेश के बजट को **2 ट्रिलियन** तक पहुँचाना है।
  - इस बजट में न तो कोई नया टैक्स लगाया गया है और न ही किसी मौजूदा टैक्स में बढ़ोतरी की गई है।
  - अनुमानित राजस्व **प्राप्तियाँ:** 2.90 लाख करोड़ रुपए
  - राज्य का स्वयं का कर राजस्व**:** 1.09 लाख करोड़ रुपए
  - केंद्र से प्राप्त सहायता अनुदान: 48,661 करोड़ रुपए
  - पूंजीगत व्यय में 31% की बढ़ोतरी
  - अनुमानित राजकोषीय घाटा: सकल राज्य घरेलू उत्पाद (**GSDP**) **का 4 प्रतिशत**

बजट 2025-26 एक नजर में... (₹ करोड़ में)

मद	बजट अनुमान 2023-24	बजट अनुमान 2024-25	बजट अनुमान 2025-26	वृद्धि(+) / कमी(-) %
कुल प्राप्तियां	**2,81,660**	**3,30,913**	**3,75,340**	**14%**
राजस्व प्राप्तियां	2,25,710	2,63,344	2,90,879	10%
पूंजीगत प्राप्तियां	55,950	66,849	84,461	26%
कुल व्यय	**2,81,554**	**3,26,383**	**3,75,337**	**15%**
राजस्व व्यय	2,25,297	2,61,644	2,90,261	11%
पूंजीगत व्यय	56,256	64,738	85,076	31%
विनियोग की राशि	**3,14,025**	**3,65,067**	**4,21,032**	**15%**
राजस्व आधिक्य	**413**	**1700**	**618**	

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

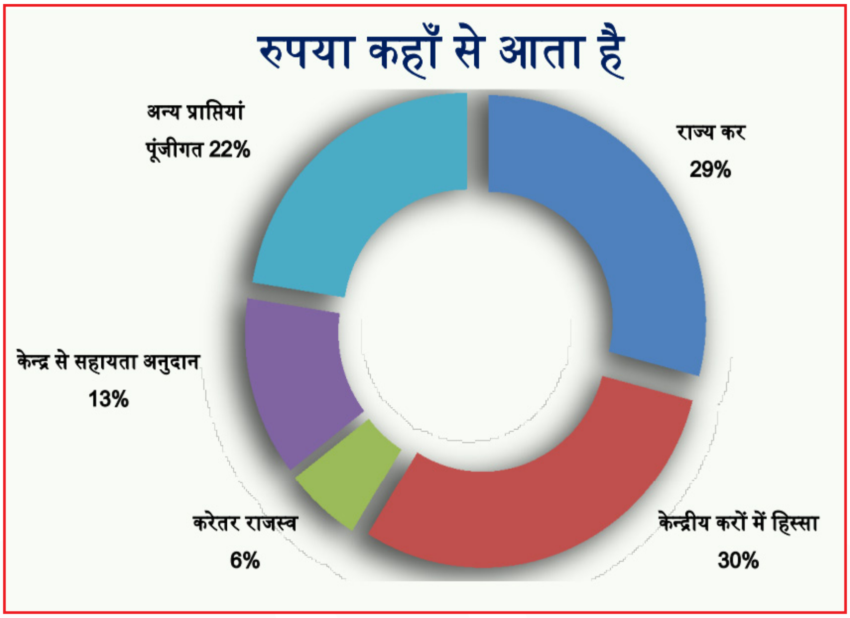

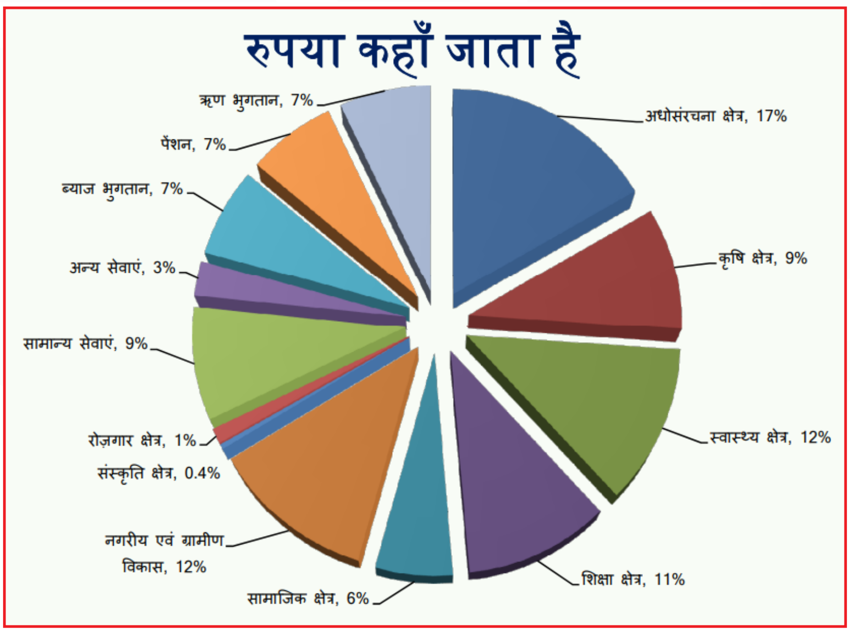

- **मुख्य प्रावधान:**
  - बजट में **गरीब कल्याण मिशन, युवा शक्ति मिशन, समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश** और **सशक्त नारी सशक्त प्रदेश** जैसे बिंदुओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- अर्थव्यवस्था को आगामी 5 वर्षों में दोगुना करना
- विकसित भारत 2047 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 2 ट्रिलियन डॉलर बनाना

बजट का मुख्य फोकस

- गरीब कल्याण – अन्त्योदय की अवधारणा को साकार करना
- युवा शक्ति – युवाओं में कौशल का विकास एवं रोज़गारोन्मुखी प्रशिक्षण
- अन्नदाता – अन्नदाता की आय में वृद्धि
- नारी शक्ति – सशक्त नारी

क्षेत्रवार प्रावधान

(₹ करोड़ में)

अधोसंरचना क्षेत्र-निर्माण विभाग	70,515
कृषि क्षेत्र	39,207
सामाजिक क्षेत्र- स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास	50,333
सामाजिक क्षेत्र - शिक्षा	44,826
सामाजिक क्षेत्र- SC/ST/OBC	23,798
नगरीय एवं ग्रामीण विकास	51,074
संस्कृति संवर्धन	1,627
रोज़गार	4,835
सामान्य सेवायें	36,118
अन्य सेवायें	11,628
ब्याज भुगतान	28,636
पेंशन	28,961
ऋण भुगतान	29,980

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- कृषि और किसानों के लिये
  - **प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार** कर **वर्ष 2029 तक 100 लाख हेक्टेयर** तक पहुँचाने का लक्ष्य है।
  - अटल कृषि ज्योति योजना – 13,909 करोड़ रुपए
  - प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना - 447 करोड़ रुपए
  - मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना – 5,220 करोड़ रुपए
  - प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना – 2,001 करोड़ रुपए
  - फसल उपार्जन बोनस भुगतान – 1,000 करोड़ रुपए
  - मुख्यमंत्री कृषक उन्नति योजना – 850 करोड़ रुपए
  - पशुपालन और गौ-संवर्द्धन – 505 करोड़ रुपए
  - डेयरी विकास योजना – 50 करोड़ रुपए
- गरीबों और कल्याणकारी योजनाओं हेतु
  - अटल गृह ज्योति योजना – 7,132 करोड़ रुपए
  - कृषि पंप और बत्ती कनेक्शन पर मुफ्त बिजली – 5,299 करोड़ रुपए
  - मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना – 700 करोड़ रुपए
  - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत) – 1,277 करोड़ रुपए
  - पीएम जनमन योजना (आवास) – 1,100 करोड़ रुपए
  - मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना – 100 करोड़ रुपए
  - जल जीवन मिशन के लिये 17,135 करोड़ रुपए
- महिलाओं के उत्थान हेतु
  - लाड़ली बहना योजना के तहत लाभार्थियों को अटल पेंशन योजना से जोड़ा जाएगा।
    - लाड़ली बहना योजना के लिये बजट में 18 हज़ार 669 करोड़ का प्रावधान।
  - **कामकाजी महिलाओं के लिये छात्रावास निर्माण योजना** का प्रस्ताव।
  - **प्रदेश के 4 प्रमुख औद्योगिक शहरों में 5,772 बेड्स वाले हॉस्टल बनाए जाएंगे।**
  - **बैगा, भारिया और सहरिया परिवारों** को कुपोषण से मुक्ति आहार अनुदान के तहत 2.20 लाख महिलाओं के खातों में **1500 रुपए** दिये जाएंगे।
  - श्रमिक सेवा प्रसूति सहायता, छात्राओं को साइकिल, मुख्यमंत्री स्कूटी योजना: 26,797 करोड़ रुपए का प्रावधान।
    - **छात्राओं को साइकिल प्रदाय योजना के लिये 215 करोड़ रुपए** का प्रावधान।
- इंफ्रास्ट्रक्चर विकास हेतु
  - अगले **पाँच वर्षों में** 1 लाख किलोमीटर सड़कों और 500 रेलवे ओवर ब्रिज (ROB) व फ्लाईओवर का निर्माण।
  - वर्ष **2025 में** 3500 किलोमीटर नई सड़कों और 70 पुलों के निर्माण का लक्ष्य।
  - प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना **के तहत 'क्षतिग्रस्त पुलों का पुनर्निर्माण' योजना** की शुरुआत।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यातायात को सुगम बनाने और गांवों की कनेक्टिविटी सुधारने हेतु **100 करोड़ रुपए का प्रावधान।**
- **मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना** के लिये 100 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- **शहरी क्षेत्रों में** इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी।

- **शिक्षा और स्वास्थ्य के लिये**
  - **50 जनजातीय छात्रों** को उच्च शिक्षा के लिये **विदेश भेजा जाएगा।**
  - **MBBS की 400 सीटें** और **पीजी मेडिकल कॉलेज की 255 सीटें** बढ़ाई जाएंगी।
  - **11 नए आयुर्वेदिक कॉलेज** स्थापित होंगे।
  - **डिजिटल यूनिवर्सिटी** की स्थापना की जाएगी।
  - **MIT (मेडिकल/टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट) की स्थापना** की जाएगी।
  - **22 नए ITI कॉलेज** खोले जाएंगे।
  - **स्वास्थ्य क्षेत्र** के लिये **23,533 करोड़ रुपए** का प्रावधान।
- **पर्यटन और सांस्कृतिक विकास**
  - **धार में डायनासोर जीवाश्म केंद्र** की स्थापना होगी।
  - **507 करोड़ रुपए से 14 स्मारकों** का निर्माण।
  - ओंकारेश्वर **में 'लोक' निर्माण।**
  - धर्म, संस्कृति और पर्यटन के लिये **1,160 करोड़ रुपए।**
  - **राम वन पथ गमन** के लिये **30 करोड़** और **श्री कृष्ण पाथेय** के लिये **10 करोड़।**
- **नगरीय और ग्रामीण विकास**
  - **नगरीय विकास के लिये 18,715 करोड़** रुपए।
  - पंचायत और ग्रामीण विकास के लिये **19,050 करोड़** रुपए।
  - सिंहस्थ 2028 के लिये **2,000 करोड़ रुपए।**
  - **मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना** के लिये **100 करोड़ रुपए।**

कुनो राष्ट्रीय उद्यान

चर्चा में क्यों?

17 मार्च, 2025 को मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान (KNP) के जंगल में एक मादा चीता और उसके चार शावकों को छोड़ा गया।

- जिससे KNP में चीतों की कुल संख्या 26 हो गई है, जिनमें भारत में जन्मे 14 शावक भी शामिल हैं।

मुख्य बिंदु

- **कुनो राष्ट्रीय उद्यान**
  - कूनो राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश में एक **संरक्षित क्षेत्र** है, जिसे सन् 2018 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट:

- इसकी स्थापना सन् 1981 को एक वन्यजीव अभयारण्य के रूप में की गई थी।
- यह राज्य के **श्योपुर और मुरैना** ज़िलों में विस्तारित है।
- कुनो राष्ट्रीय उद्यान **नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका** से स्थानांतरित किये गए चीतों का पर्यावास है।

- **चीता स्थानांतरण परियोजना**
  - भारत में चीता पुन: वापसी परियोजना औपचारिक रूप से **17 सितंबर, 2022** को प्रारंभ की गई, जिसका उद्देश्य देश में **चीतों की आबादी** को बहाल करना था, जिन्हें **वर्ष 1952 में देश में विलुप्त घोषित** कर दिया गया था।
  - यह परियोजना **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA)** द्वारा **मध्य प्रदेश वन विभाग**, **भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII)** तथा नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के चीता विशेषज्ञों के सहयोग से कार्यान्वित की गई है।
- **महत्त्व**
  - **चीतों की पुनर्वापसी** से पारिस्थितिकीय तंत्र मज़बूत होगा और ग्रासलैंड इकोसिस्टम पुनर्जीवित होगा, जो अन्य जीवों के लिये भी लाभकारी होगा।
  - जैवविविधता संरक्षण और खाद्य श्रृंखला में संतुलन स्थापित होने में सहायता मिलेगी।
  - **पर्यटकों की संख्या में वृद्धि और रोज़गार के अवसर** सृजित होंगे, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

इंदौर में भारत का पहला ग्रीन वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट

चर्चा में क्यों ?

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के तहत भारत का पहला सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) ग्रीन वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट मध्य प्रदेश के इंदौर में स्थापित किया गया।

मुख्य बिंदु

- **भागीदारी और संचालन**
  - एस्ट्रोनॉमिकल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने प्लांट की स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिये **इंदौर नगर निगम** (IMC) के साथ भागीदारी की है।
- **अपशिष्ट प्रसंस्करण**
  - यह प्लांट लकड़ी, शाखाओं, पत्तियों और फूलों जैसे हरे कचरे को चूरा में संसाधित करेगा, जिसे सुखाया जाएगा, जिससे 3-4 महीनों में **नमी की मात्रा 90% तक घट जाएगी।**
- **प्रसंस्कृत चूरा का उपयोग**
  - चूरा का उपयोग **वैकल्पिक ईंधन, पैकेजिंग सामग्री और बायोडिग्रेडेबल प्लेटों** के लिये किया जाएगा।
- **पर्यावरणीय प्रभाव**
  - इस पहल से वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने, वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) में सुधार करने और कोयले पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।
  - यह प्रसंस्कृत चूरा से उर्वरकों का उत्पादन करके मिट्टी की उर्वरता में भी योगदान देगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

स्वच्छ भारत मिशन

- **परिचय:**
  - **आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय** (Ministry of Housing and Urban Affairs) ने 2 अक्तूबर, 2014 को शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता, सफाई और उचित अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (SBM-U)** की शुरुआत एक राष्ट्रीय अभियान के रूप में की थी।
  - इसका उद्देश्य पूरे भारत के शहरों और कस्बों को स्वच्छ एवं खुले में शौच से मुक्त बनाना है।
- **स्वच्छ भारत मिशन की उपलब्धियाँ:**
  - पिछले 9 वर्षों में 12 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं, जिससे देश को खुले में शौच के संकट से मुक्ति मिली है और साथ ही **कुल गाँवों में से 75% ने खुले में शौच मुक्त (ODF) प्लस का दर्जा प्राप्त कर लिया है।**
  - शहरी भारत **खुले में शौच से मुक्त (ODF)** हो गया है, सभी 4,715 **शहरी स्थानीय निकाय (ULBs)** पूरी तरह से ODF हो गए हैं।
  - 3,547 ULBs कार्यात्मक तथा स्वच्छ सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालयों के साथ ओडीएफ+ हैं, साथ ही 1,191 ULBs पूर्ण मल कीचड़ प्रबंधन के साथ ODF++ हैं।
  - 14 शहर Water+ प्रमाणित हैं, जिसमें अपशिष्ट जल के उपचार के साथ इसका इष्टतम पुन: उपयोग भी शामिल है।

मध्य प्रदेश के धरोहर स्थल यूनेस्को की संभावित सूची में

चर्चा में क्यों?

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने मध्य प्रदेश राज्य की 4 ऐतिहासिक धरोहरों को विश्व धरोहर स्थलों की अपनी संभावित सूची में शामिल किया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **ऐतिहासिक धरोहरों के बारे में:**
  - **सम्राट अशोक के शिलालेख:**
    - सम्राट अशोक के शिलालेख भारत के सबसे **प्राचीन लिखित अभिलेखों** में शामिल हैं, जिनकी आयु लगभग **2200 वर्ष** मानी जाती है।
    - ये शिलालेख न केवल उनके शासनकाल की **महत्त्वपूर्ण घटनाओं** को उजागर करते हैं, बल्कि बौद्ध धर्म, **नैतिकता** और समाज के प्रति उनकी नीतियों को भी दर्शाते हैं।
    - इनमें अहिंसा, दया, **धार्मिक सहिष्णुता** और **जनकल्याण** से जुड़े संदेश अंकित हैं, जो तत्कालीन **प्रशासनिक दृष्टिकोण** और **सामाजिक सुधार के प्रयासों** को प्रतिबिंबित करते हैं।
    - मध्य प्रदेश में ये शिलालेख मुख्य रूप से साँची (रायसेन), **रूपनाथ (जबलपुर), गुर्जरा (दतिया)** और **पंगुरारिया (सीहोर)** में स्थित हैं।
  - **चौसठ योगिनी मंदिर:**
    - 9वीं से 12वीं शताब्दी के बीच निर्मित **चौसठ योगिनी मंदिर** तांत्रिक परंपराओं और अपनी विशिष्ट **गोलाकार वास्तुकला** के लिये प्रसिद्ध हैं।
    - मध्य प्रदेश के **मितावली (मुरैना), खजुराहो, जबलपुर, मंदसौर** और **शहडोल** में स्थित ये मंदिर ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्व पूर्ण हैं।
    - विशेष रूप से **मितावली का चौसठ योगिनी मंदिर**, अपनी **गोलाकार संरचना** के कारण, भारतीय **संसद भवन की प्रेरणा** माना जाता है, जो इसकी अद्वितीय स्थापत्य शैली को दर्शाता है।
  - **गुप्तकालीन मंदिर:**
    - **5वीं-6वीं शताब्दी** के दौरान निर्मित ये गुप्तकालीन मंदिर भारतीय स्थापत्य कला की उत्कृष्टता और अद्भुत नक्काशी के प्रतीक हैं।
    - इनकी वास्तुकला में उस युग की **शिल्पकला, धार्मिक आस्था** और **स्थापत्य तकनीक** का अद्वितीय समन्वय देखने को मिलता है।
    - मध्य प्रदेश के **उदयगिरि (विदिशा), नचना (पन्ना), तिगवा (कटनी), भूमरा (सतना)** और **सकोर (दमोह)** में स्थित ये मंदिर प्राचीन भारतीय **वास्तुकला और शिल्पकला** के उत्कर्ष का जीवंत प्रमाण प्रस्तुत करते हैं।
  - **बुंदेला शासकों के किले-महल:**
    - **राजपूत और मुगल** स्थापत्य कला के उत्कृष्ट संयोजन से निर्मित ये **किले-महल**, बुंदेला **शिल्पकला और सैन्य रणनीति** की अद्भुत मिसाल हैं।
    - ये न केवल ऐतिहासिक रूप से महत्त्व पूर्ण हैं, बल्कि बुंदेला राजाओं की **सैन्य कुशलता** और **सांस्कृतिक विरासत** के प्रतीक भी हैं।
    - मध्य प्रदेश के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों—**गढ़कुंडार किला, राजा महल,** जहांगीर **महल (ओरछा)** और **दतिया महल**—में स्थित ये धरोहरें आज भी अपनी **भव्यता और स्थापत्य सौंदर्य** से पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

यूनेस्को

- यूनेस्को (UNESCO) यानी 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization)' संयुक्त राष्ट्र का ही एक भाग है।
- मुख्यालय - पेरिस (फ्राँस)
- गठन - 16 नवंबर, 1945
- कार्य- शिक्षा, प्रकृति तथा समाज विज्ञान, संस्कृति और संचार के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय शांति को बढ़ावा देना।
- उद्देश्य - इसका उद्देश्य शिक्षा एवं संस्कृति के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से शांति एवं सुरक्षा की स्थापना करना है, ताकि संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में वर्णित न्याय, कानून का राज, मानवाधिकार एवं मौलिक स्वतंत्रता हेतु वैश्विक सहमति बन पाए।

यूनेस्को की संभावित सूची

- यूनेस्को की अस्थायी सूची उन **संपत्तियों की सूची है, जिन पर प्रत्येक राज्य पक्ष नामांकन के लिये विचार करना चाहता है।**
  - **यूनेस्को** के परिचालन दिशानिर्देश, 2019 के अनुसार, किसी भी स्मारक/स्थल को अंतिम नामांकन डोजियर के लिये **विचार किये जाने से पहले एक वर्ष के लिये अनंतिम सूची में रखना अनिवार्य है।**
  - नामांकन हो जाने के बाद **इसे विश्व धरोहर केंद्र (WHC) को भेज दिया जाता** है।

भोपाल में ग्रीन भारत एक्सपो

चर्चा में क्यों?

मध्यप्रदेश के **भोपाल** में तीन दिवसीय **ग्रीन भारत एक्सपो** का 23 मार्च 2025 को समापन हुआ। **जिसमें देशभर की प्रतिष्ठित कंपनियों, निर्माताओं और संभावित निवेशकों** ने भाग लिया।

मुख्य बिंदु

- **एक्सपो के बारे में:**
  - **आयोजन**
    - एक्सपो का आयोजन **इमेजिन इवेंट और डिक्की** द्वारा किया गया था।
  - **उद्देश्य**
    - इस एक्सपो का मुख्य उद्देश्य **ग्रीन एनर्जी और उद्यमिता को बढ़ावा देना** था
  - **मुख्य आकर्षण:**
    - सौर ऊर्जा: बचत और व्यवसाय का सुनहरा अवसर।
    - **बिजली बिल से छुटकारा: सोलर सिस्टम** अपनाने पर **30 साल तक मुफ्त बिजली** का लाभ।
    - **लाखों की सब्सिडी:** सरकार की योजनाओं के तहत **सोलर पैनल और लाइट्स** पर आकर्षक सब्सिडी।
    - **ई-व्हीकल्स की विस्तृत रेंज:** घरेलू एवं व्यावसायिक उपयोग के लिये इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रदर्शन।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

हरित ऊर्जा

- **हरित ऊर्जा (Green energy)** नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त ऊर्जा के लिये प्रयुक्त शब्द है। हरित ऊर्जा को प्राय: स्वच्छ, सतत या नवीकरणीय ऊर्जा के रूप में भी जाना जाता है।
  - हरित ऊर्जा का उत्पादन वायुमंडल में जहरीली ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन नहीं करता, जिसका अर्थ है कि यह बहुत कम (या नगण्य) पर्यावरणीय प्रभाव डालता है।
- हरित ऊर्जा स्रोतों में सौर, पवन, भूतापीय, बायोगैस, पनबिजली और कुछ योग्य बायोमास स्रोतों द्वारा उत्पादित बिजली शामिल हैं।

अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाज़ी चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों ?

24 से 29 मार्च 2025 मध्य प्रदेश के **इंदौर** में **18वीं अखिल भारतीय पुलिस** निशानेबाज़ी **(खेल) चैंपियनशिप** का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **चैंपियनशिप के बारे में:**
  - **यह** चैंपियनशिप **इंदौर के रेवती रेंज** में आयोजित की गई।
  - चैंपियनशिप की देखरेख **अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड (AIPSCB)** द्वारा की गई।
  - यह चैंपियनशिप **केंद्रीय आयुध एवं युद्ध कौशल विद्यालय (CSWT),** सीसुबल, इंदौर द्वारा **24 से 29 मार्च 2025 तक आयोजित की गई थी**।
  - इससे पहले यह आयोजन **वर्ष 2019 में पुणे (महाराष्ट्र) में हुआ था**।
  - इस चैंपियनशिप में **देशभर से 600 पुरुष एवं महिला निशानेबाज़ो** की भागीदारी शामिल थी।
  - इसमें **17 स्पर्द्धाएँ** आयोजित की गई हैं, जिनमें **204 पदकों** के लिये प्रतिस्पर्द्धाएँ संपन्न हुईं।
- **भाग लेने वाली टीमें:**
  - चैंपियनशिप में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों **(CAPF) और विभिन्न राज्य पुलिस बलों** की टीमों नए भी भाग लिया, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं:
    - असम पुलिस, हरियाणा पुलिस, केरला पुलिस, राजस्थान पुलिस, छत्तीसगढ़ पुलिस, तमिलनाडु पुलिस, पंजाब पुलिस, तेलंगाना पुलिस।
    - **केंद्रीय बल:** रेलवे सुरक्षा बल (RPF), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल (ITBP), केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF), सीमा सुरक्षा बल (BSF), असम राइफल्स (AR), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF), सशस्त्र सीमा बल (SSB)।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF)

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) में गृह मंत्रालय के अधीन काम करने वाले भारत के सात सुरक्षा बल शामिल हैं।

असम राइफल्स (AR)

- **स्थापना:** वर्ष 1835, मिलिशिया के रूप में जिसे 'कछार लेवी' के नाम से जाना जाता था।
  - **पूर्ववर्ती उद्देश्य:** ब्रिटिश चाय बागानों की रक्षा करना।
- **वर्तमान उद्देश्य:**
  - उत्तर पूर्वी क्षेत्रों (NER) में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाना।
  - भारत-चीन और भारत-म्याँमार सीमाओं पर सुरक्षा सुनिश्चित करना।
- **महत्त्वपूर्ण भूमिका:**
  - भारत-चीन युद्ध, 1962
  - श्रीलंका के लिये भारतीय शांति रक्षा सेना (IPKF) (1987) के रूप में।

आदिवासी इलाकों से लंबे जुड़ाव के कारण असम राइफल्स को 'उत्तर पूर्व का मित्र' भी कहा जाता है

सीमा सुरक्षा बल (BSF)

- **स्थापना:** वर्ष 1965
- **उद्देश्य:**
  - पाकिस्तान एवं बांग्लादेश के साथ भूमि सीमाओं को सुरक्षित करना।
  - साथ ही कश्मीर घाटी में घुसपैठ की समस्याओं को रोकना।
  - उत्तर पूर्वी क्षेत्रों (NER) में उग्रवाद का मुकाबला करना।
  - ओडिशा एवं छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान चलाना।
- **विंग:** एयर विंग, समुद्री विंग, आर्टिलरी रेजीमेंट और कमाण्डो यूनिट्स।

सीमा सुरक्षा बल (BSF) भारत का पहला लाइन ऑफ़ डिफेंस और विश्व का सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा बल है

केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF)

- **स्वतंत्रता-पूर्व स्थापना:** वर्ष 1939 (क्राउन रिप्रेज़ेंटेटिव्स पुलिस)।
- **स्वतंत्रता के पश्चात्:** वर्ष 1949 - CRPF अधिनियम के तहत, केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल के रूप में नामित किया गया।
- **उद्देश्य:** भीड़ नियंत्रण, दंगा नियंत्रण, काउंटर मिलिटेंसी/उग्रवाद संचालन, आदि।

CRPF आंतरिक सुरक्षा के लिये प्रमुख केंद्रीय पुलिस बल है

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP)

- **स्थापना:** वर्ष 1962।
- **उद्देश्य:**
  - काराकोरम दर्रे (लद्दाख) से जचेप ला (अरुणाचल प्रदेश) तक सीमा पर तैनात (भारत-चीन सीमा का 3488 कि.मी. कवर करती है)।
  - भारत-चीन सीमा के पश्चिमी, मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में 9000 फीट से 18700 फीट की ऊँचाई पर स्थित सीमा चौकियों की निगरानी।

ITBP एक विशेष पर्वतीय सैन्य बल है; जिसे प्राकृतिक आपदाओं का प्रथम प्रतिक्रियाकर्त्ता कहा जाता है

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG)

- **स्थापना:** वर्ष 1984 (1986 में अस्तित्व में आया), **ऑपरेशन ब्लू स्टार** के पश्चात्।
- **उद्देश्य:** आतंकवाद-रोधी इकाई/संघीय आकस्मिक बल।
- **टास्क ओरिएंटेड फोर्स- दो पूरक शाखाएँ:**
  - स्पेशल एक्शन ग्रुप (SAG)।
  - स्पेशल रेंजर ग्रुप (SRG)।

सशस्त्र सीमा बल (SSB)

- **स्थापना:** वर्ष 1963
- **उद्देश्य:**
  - भारत-नेपाल और भारत-भूटान सीमाओं की रक्षा करना।
  - सीमा सुरक्षा बढ़ाना, सीमा पार अपराधों पर अंकुश लगाना, अनधिकृत प्रवेश/निकास को रोकना, तस्करी रोकना, आदि।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF)

- **स्थापना:** केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल अधिनियम, 1968 के तहत।
- **उद्देश्य:** महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।

CISF एक विशेष फायर विंग वाली एकमात्र CAPF यूनिट है

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

राष्ट्रीय डेफ शूटिंग चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों ?

दूसरी राष्ट्रीय डेफ शूटिंग, टेबल टेनिस और टेनिस चैंपियनशिप में **मध्य प्रदेश** के खिलाड़ी **कुशाग्र सिंह राजावत** ने दो **पदक** जीते।

- यह चैंपियनशिप **20 से 24 मार्च 2025** तक **अहमदाबाद (गुजरात)** में आयोजित की गई।

मुख्य बिंदु

- **कुशाग्र सिंह राजावत का प्रदर्शन:**
  - निशानेबाज़ **कुशाग्र सिंह राजावत** ने इस चैंपियनशिप में **50 मीटर रायफल 3-पोजीशन स्पर्द्धा** में **स्वर्ण पदक** एवं **50 मीटर रायफल प्रोन स्पर्द्धा** में **रजत पदक** अर्जित किया।
  - उनकी इस उपलब्धि में **शूटिंग अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक जोयदीप कर्माकर और सहायक प्रशिक्षक वैभव शर्मा** का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा, जिन्होंने उनके प्रशिक्षण में मार्गदर्शन प्रदान किया।
- **बैडमिंटन में भी पदक:**
  - इस चैंपियनशिप में **बैडमिंटन खिलाड़ी कु. गौरांशी शर्मा** ने **बैडमिंटन सिंगल्स** में **कांस्य पदक** जीता।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :